जिला शिक्षा
बड़कोट
उत्तराखण्ड शासन
संगीत
विकास
17 सितम्बर से
बहुउद्देशीय भव
ला शिक्षा एवं प्रशिक्ष

शिक्षकों को दिया संगीत कौशल का प्रशिक्षण

बड़कोट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में पांच दिवसीय संगीत कौशल विकास कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें जिले के विभिन्न विकासखंडों के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का शुभारंभ संस्थान के प्राचार्य संजीव जोशी ने किया। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत संगीत मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के सीखने, सृजन, अभिव्यक्ति और समग्र विकास का प्रभावी माध्यम है। समन्वयक सुषमा महर ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2023 और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में संगीत एवं कला की भूमिका की जानकारी दी। विशेषज्ञ रवि कमल त्रिवेदी और रूबी गौतम सारस्वत ने कक्षा छह की कला पुस्तिका 'कृति' का अभिमुखीकरण कराया। कार्यशाला में अरशद अंसारी, संगीता रावत, सुशील जोशी, शशिभूषण नौटियाल और वैशाली रावत मौजूद रहे। संवाद

संगीत कार्यशाला में शिक्षकों को दिया प्रार्थनाओं व समूहगान का प्रशिक्षण

- डायट में संगीत कौशल विकास कार्यशाला की आयोजित
- 'कृति' नामक नई पाठ्य पुस्तक विकसित की गई

संवाद सूत्र, जागरण • बड़कोट: जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में 17 से 21 सितंबर तक संगीत कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में शिक्षकों को विद्यालयों की प्रार्थना सभा के लिए नवीन प्रार्थनाओं एवं समूहगान का प्रशिक्षण दिया गया।

समन्वयक सुषमा महर ने बताया कि कक्षा छह के लिए कला विषय की 'कृति' नामक नई पाठ्यपुस्तक विकसित की गई है। इसका अभिमुखीकरण संगीत विशेषज्ञ रवि कमल त्रिवेदी एवं रूबी गौतम सारस्वत ने किया।

कार्यशाला का शुभारंभ डायट के प्राचार्य संजीव जोशी ने किया। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की दृष्टि से संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि सीखने, सृजन, अभिव्यक्ति, संस्कृति से जुड़ाव और विद्यार्थियों के समग्र विकास का प्रभावी माध्यम है। विशेषज्ञों ने कला एवं संगीत को अन्य विषयों के साथ जोड़कर शिक्षण को अधिक रुचिकर बनाने तथा विद्यार्थियों में संगीत संबंधी ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा की।

बड़कोट में डायट में आयोजित कार्यशाला में ढोल-दमाऊ वादन करतीं शिक्षिकाएं • जागरण

कार्यशाला में सुषमा महर, अरशद अंसारी, संगीता रावत, सुशील जोशी, शशिभूषण नौटियाल, वैशाली रावत सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे।

उत्तराखंड की खबरें पढ़ें
www.jagran.com/state/uttarakhand

डीआईईटी में पांच दिवसीय संगीत कार्यशाला

अमर हिन्दुस्तान

बड़कोट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बड़कोट, उत्तरकाशी में दिनांक 17 से 21 सितंबर 2026 तक पाँच दिवसीय संगीत कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के विभिन्न विकास खंडों के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।वकार्यक्रम समन्वयक सुषमा महर ने कार्यशाला में उपस्थित शिक्षकों को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 तथा नीट 2020 में संगीत एवं कला की भूमिका के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की।उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों को ध्यान में रखकर संगीत विषय की नई पाठ्यपुस्तक कक्षा 6 के लिए कृति नामक कला विषय की पुस्तिका विकसित की गई है जिसका अभीमुखीकरण कार्यशाला में उपस्थित संगीत विशेषज्ञ रवि कमल त्रिवेदी तथा रूबी गौतम सारस्वत के द्वारा किया गया।कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान के प्राचार्य संजीव जोशी के द्वारा किया गया। जोशी ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की दृष्टि में संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सीखने, सृजन, अभिव्यक्ति, संस्कृति से जुड़ाव और बच्चे के समग्र विकास का प्रभावी माध्यम है। समन्वयक सुषमा महर द्वारा बताया गया कि कार्यशाला में प्रतिभागी शिक्षकों द्वारा विद्यालयों में आयोजित प्रार्थना सभा में नवीन प्रार्थनाएँ एवं समूह गान का लयबद्ध प्रशिक्षण, उत्तराखंड राज्य के लोकगीत एवं स्थानीय संगीत का परिचय,ताल एवं लय आधारित गतिविधियाँ,स्थानीय लोकवाद्यों का के बारे में जानकारी दी गयी। सभी शिक्षकों को संगीत गायन,वादन एवं ताल बद्धता का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही विद्यालय की प्रार्थना सभा को रुचिकर और सुरमई बनाने के लिए नवीन प्रार्थनाएँ एवं समूहगान भी सिखाए गे।मौके पर अरशद अंसारी,संगीता रावत, सुशील जोशी , शशिभूषण नौटियाल,वैशाली रावत आदि उपस्थित रहे।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
बड़कोट (उत्तरकाशी)
उत्तराखण्ड शासन
SCERT UK
VENUS MUSICARE
YAMAHA